# परिसर

पवित्र धार्मिक नगर वाराणसी नगर में पतितपावनी गंगा के पश्चिमी तट पर स्थित यह विश्वविद्यालय भारत की धार्मिक राजधानी प्राच्य विद्या ज्ञान केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध है। का.हि.वि.वि. के मुख्य परिसर का मनोहारी दृश्य १३०० एकड़ भू-क्षेत्र में फैला हुआ है जो अपने आकर्षक वास्तुकला वाले स्मारकों, विशाल परिसर, हरे-भरे मैदानों एवं वृक्षों से आच्छादित शानदार पथों द्वारा अपने संस्थापक महामना मालवीयजी की व्यापक कल्पनाशक्ति एवं दूरदर्शिता का परिचायक है। का.हि.वि.वि. का राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, २६०० एकड़ भू-क्षेत्र में फैला हुआ है, जो मुख्य परिसर से लगभग ८० किमी. दूर बरकछा (मिर्जापुर) में स्थित है।

का.हि.वि.वि. प्राच्य एवं पारम्परिक विषयों से लेकर आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तक के सभी शैक्षणिक विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान एक ही परिसर में स्थित होना इसकी अद्‌भुत पहचान है विश्वविद्यालय की एक विशिष्टता यह भी है कि यहाँ छात्रों, शिक्षकों एवं सहयोगी कर्मचारीगण एक साथ रहकर अपने शैक्षणिक लक्ष्यों के लिए शिक्षण एवं सीखने की गुरुकुल पद्धति अपनाते हैं। यह विश्वविद्यालय स्वयं में एक नगरीय व्यवस्था है जिसके पास अपने सभी सम्बन्धितों एवं आवासियों की आवश्यकताओं को सुलभ कराने, संचालित करने एवं अनुरक्षण के लिए इसकी अपनी स्वयं की सेवा एवं सहायक प्रणाली विद्यमान है।